(क) क्या सरकार को गुजरात में मांडवी-ओखा मार्ग पर फेरी सेवा शुरू करने की कोई मांग प्रस्तुत की गई है ;

(ख) सरकार ने इस मांग पर क्या कार्यवाही की है; और

(ग) इस मांग के कब तक पूरा कर दिए जाने की सम्भावना है ?

जल-भूतल परिवहन विभाग में राज्य मंत्री (श्री राजेश पायलट): (क) से (ग) वर्ष 1983 में सरकार ने ओखा और मांडवी के बीच लांच द्वारा फेरी सेवा चलाने के लिए श्री जुसब हाजी उमर को अनुमति देने की सिफारिश की थी । नौवहन महानिदेशक के परामर्श से इस प्रस्ताव की जांच की गयी और सुरक्षा की दृष्टि से इसे स्वीकार नहीं किया गया । परिवहन मंत्रालय (जल भूतल परिवहन विभाग) ने इस सम्बन्ध में कोई और प्रस्ताव नहीं प्राप्त किया है ।

वाडीनार में बन्दरगाह सुविधाओं का विकास

390. **श्री मार्जा इर्शादबेग** : क्या **परिवहन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या गुजरात में वाडीनार में बन्दरगाह सुविधाओं के विकास के सम्बन्ध में साध्यता प्रतिवेदन तैयार कर लिया गया है, यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने इस पर कोई निर्णय ले लिया है; और

(ग) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है?

जल-भूतल परिवहन विभाग में राज्य मंत्री (श्री राजेश पायलट): (क) जी, हां । गुजरात में वाडीनार में पत्तन सुविधाओं का विकास करने के बारे में एक व्यावहारिकता रिपोर्ट मैसर्स (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड द्वारा तैयार की गई है । उन्होंने वाडीनार के लिए प्रथम चरण में 59 करोड़ रुपये की लागत से भूमि सुधार, सहायक यांत्रिकृत हैंडलिंग सुविधाओं सहित एक घाट की स्थापना और आधारभूत सुविधाओं की सिफारिश की है ।

(ख) जी, नहीं ।

(ग) प्रश्न नहीं होता ।

रेलवे द्वारा अधिवक्ताओं को फीस के रूप में अदा की गई धनराशी

391. **श्री हुक्मदेव नारायण यादव** : क्या **परिवहन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि गत तीन वर्षों के दौरान विभिन्न क्षेत्रीय रेलों द्वारा नियोजित विभिन्न अधिवक्ताओं को फीस के रूप में अदा की गई धनराशियों का ब्यौरा क्या है ?

रेल विभाग में राज्य मंत्री (श्री माधवराव सिंधिया): सूचना इकट्ठी की जा रही है और सभा-पटल पर रख दी जाएगी ।

रेलवे द्वारा पुराने और रद्दी सामान की बिक्री

392. **श्री हुक्मदेव नारायण यादव**: क्या **परिवहन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पुराने और रद्दी सामान की बिक्री नियम का पालन न करते हुए की गई और इसके परिणामस्वरूप रेलवे को करोड़ों रुपयों की हानि हुई ;

(ख) पिछले तीन वर्ष के दौरान, रेलवे द्वारा क्षेत्र-वार, कितने मूल्य का पुराना और रद्दी सामान बेचा गया और कब बेचा गया और उसके लिए टैंडर अथवा नीलामी की सूचना के सम्बन्ध में विज्ञापन किस अखबार में दिया गया; और

(ग) क्या सरकार इस सम्बन्ध में जांच करवा कर दोषी अधिकारियों और ठेकेदारों के विरुद्ध कार्यवाही करने का विचार रखती है; यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

रेल विभाग में राज्य मंत्री (श्री माधवराव सिंधिया): (क) जी, नहीं ।

(ख) विगत तीन वर्षों के दौरान बेचे गए रद्दी सामान का रेलवे जोन-वार ब्यौरा संलग्न विवरण में दिया गया है । (नीचे